गेल (इंडिया) लिमिटेड

प्रेस विज्ञप्ति

वित्त वर्ष 2008-09 में गेल का कारोबार 32 प्रतिशत बढ़कर 23,776 करोड़ रुपए

निवल लाभ 8% बढ़कर 2840 करोड़ रुपए

बोर्ड द्वारा वर्धित पूंजी पर कुल 70 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश

प्राकृतिक गैस, पॉलीमर तथा तरल हाइड्रोकार्बन खंड में वास्तविक निष्पादन के लक्ष्य से आगे

नई दिल्ली, 13 जून, 2009
गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2008-09 में सभी महत्वपूर्ण वास्तविक और साथ ही साथ वित्तीय मानदंडों में निरंतर प्रगति दर्ज की है । लेखा परीक्षित आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2008-09 के दौरान कारोबार (आंतरिक खपत और निवल उत्पाद शुल्क छोड़कर) 32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23,776 रु. रहा , जबकि वित्त वर्ष 2007-08 के दौरान यह 18,008 करोड़ रुपए था । वर्ष 2008-09 के दौरान कर पूर्व लाभ गत वर्ष के 3855 करोड़ रुपए से 9 प्रतिशत बढ़कर 4204 करोड़ रुपए हो गया । वर्ष 2008-09 के दौरान कर पश्चात लाभ 8 प्रतिशत बढ़कर 2804 करोड़ रुपए हो गया जबकि गत वर्ष यह 2601 करोड़ रुपए था । यह वृद्धि गत वर्ष की 1314 करोड़ रुपए की तुलना में 1781 करोड़ रुपए की एलपीजी सहायिकी के बावजूद हुई । सकल मार्जिन 4506 करोड़ रुपए से 8 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2008-09 के दौरान 4851 करोड़ रुपए पहुंच गया । निदेशक मंडल ने वर्ष 2008-09 के लिए कंपनी की वर्धित प्रदत्त शेयर पूंजी पर 70 प्रतिशत की दर से कुल लाभांश देने की सिफारिश की है ।

वर्ष 2008-09 की चौथी तिमाही में कारोबार 24 प्रतिशत की वृद्धि होने से 6104 करोड़ रुपए हुआ जबकि गत वर्ष की इसी तिमाही में यह 4935 करोड़

रुपए था । वर्ष 2008-09 की चौथी तिमाही के दौरान कर पूर्व लाभ 1004 करोड़ रुपए रहा जबकि 2007-08 की चौथी तिमाही के दौरान यह 1098 करोड़ रूपए था । अपेक्षाकृत कम मूल्य प्राप्ति तथा ई एंड पी लागत के कारण वर्ष 2008-09 की चौथी तिमाही में निवल लाभ 630 करोड़ रुपए रहा जबकि गत वर्ष की इसी अवधि में यह 722 करोड़ रुपए था ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ किए गए वार्षिक कार्यनिष्पादन समझौता ज्ञापन के अनुसार गेल ने उत्कृष्ट वास्तविक निष्पादन जारी रखा । घरेलू स्रोतों तथा एलएनजी मार्ग से प्राकृतिक गैस के लगभग 81.5 एमएमएससीएमडी गैस संचरण के उत्कृष्ट एमओयू लक्ष्य की तुलना में कंपनी ने 83.29 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस संचरण किया । इसके अलावा, गेल के लगभग 70 एमएमएससीएमडी एमओयू लक्ष्य की तुलना में 79.06 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस की बिक्री की । गेल ने 390 टीएमटी पॉलीमर (एचडीपीई तथा एलएलडीपीई) एवं 1260 टीएमटी तरल हाइड्रोकार्बन के एमओयू के “उत्कृष्ट” उत्पादन लक्ष्य की तुलना में 420 टीएमटी पॉलीमर तथा 1401 टीएमटी एलपीजी एवं अन्य तरल हाइड्रोकार्बन का उत्पादन किया ।

वित्तीय निष्पादन विवरण

गेल उन सार्वजनिक उपक्रमों में से एक है जिन्होंने निरंतर उत्कृष्ट वित्तीय रिकार्ड दर्ज किया है । विगत 10 वर्षों के दौरान कारोबार में 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की । 31 मार्च,2009 को कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 31,000 करोड़ रूपए था जो एक वर्ष पहले 36,000 करोड़ रुपए था ।

वर्ष 2008-09 में घरेलू एलपीजी और पीडीएस किरोसीन में सहायिकी साझेदारी 1781 करोड़ रुपए थी (2007-08 में यह 1314 करोड़ रुपए थी) । सहायिकी घटक के बिना कर पूर्व लाभ में यदि 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई होती और यह 5985 करोड़ रुपए हो गया होता तथा कर पश्चात लाभ भी 14 प्रतिशत की वृद्धि से 3991 करोड़ रुपए हो गया होता ।

कारोबार की वृद्धि प्राकृतिक गैस व्यापार, पॉलीमर बिक्री और एलपीजी संचरण में हुई समग्र वृद्धि का संचयी परिणाम है ।

वर्धित मात्रा तथा उच्च गैस बिक्री मूल्य के कारण प्राकृतिक गैस कारोबार खंड के राजस्व में 45% की वृद्धि होने से 12648 करोड़ रुपए से बढ़कर 18,308 करोड़ रुपए हो गया । बेहतर मूल्य प्राप्त होने तथा मात्रा में वृद्धि के कारण एलपीजी तथा तरल हाइड्रोकार्बन खंड के राजस्व में 12 प्रतिशत वृद्धि होने से यह 2641 करोड़ रुपए से बढ़कर 2964 करोड़ रुपए हो गया । एलपीजी संचरण के राजस्व में 10 प्रतिशत वृद्धि होने से यह 2248 करोड़ रुपए से बढ़कर 2482 करोड़ रुपए हो गया जो परिवहित मात्रा में वृद्धि के कारण हुआ । पेट्रोकैमिकल घटक से प्राप्त राजस्व में 16 प्रतिशत की वृद्धि होने से यह 2587 करोड़ रुपए से बढ़कर 2731 करोड़ रुपए पहुंच गया ।

वर्ष 2008-09 के दौरान गेल की समेकित वित्तीय विवरण भी तैयार कर लिए गए हैं जिसमें सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सम्बद्ध कंपनियों के लेखे भी शामिल किए गए हैं । समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर गेल की कुल आय (सीमा शुल्क का निवल) 24659 करोड़ रुपए थी । समेकित सकल मार्जिन 5231 करोड़ रुपए था । कर पूर्व लाभ 4281 करोड़ रुपए था और कर पश्चात लाभ 2790 करोड़ रुपए था ।

प्रति शेयर आय (ईपीएस) वर्ष 2008-09 के दौरान 22.10 रुपए प्रति शेयर रही जबकि वर्ष 2007-08 में यह 20.51 रुपए प्रति शेयर थी । समेकित विवरण के अनुसार प्रति शेयर आय 22.28 रुपए रही जबकि गत वर्ष यह 21.94 रुपए प्रति शेयर थी ।

निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिए कंपनी की वर्धित प्रदत्त शेयर पूंजी पर 70 प्रतिशत की दर से कुल लाभांश के भुगतान की अनुशंसा की है जिसमें प्रदत्त शेयर पूंजी के 40 प्रतिशत की दर से अंतरिम लाभांश तथा 30 प्रतिशत की दर से प्रस्तावित अंतिम लाभांश शामिल है ।

प्राकृतिक गैस

प्राकृतिक गैस गेल का मुख्य कारोबार रहा है । वर्ष 2008-09 के दौरान प्राकृतिक गैस की बिक्री गत वर्ष के 69.10 एमएमएससीएमडी की तुलना में 14 प्रतिशत बढ़कर 79.06 एमएमएससीएमडी हुई । वर्ष के दौरान गैस संचरण 83.29 एमएमएससीएमडी था जबकि विगत वित्तीय वर्ष में यह 82.10 एमएमएससीएमडी था ।

एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन

वर्ष 2008-09 में एलपीजी सहित कुल तरल हाइड्रोकार्बन का उत्पादन 1.401 मिलियन मीटरी टन रहा , जबकि विगत वर्ष में यह 1.347 मिलियन मीटरी टन था । गत वित्त वर्ष के दौरान 1.043 मिलियन मीटरी टन एलपीजी के उत्पादन की तुलना में इस वर्ष में यह उत्पादन 1.088 मिलियन मीटरी टन रहा । प्रोपेन का उत्पादन 152671 मीटरी टन रहा जबकि गत वर्ष यह 155,873 मीटरी टन था । वर्ष 2008-09 के दौरान पेंटेंन का उत्पादन 58,932 मीटरी टन उत्पादन रहा , जो वर्ष 2007-08 के दौरान 73505 मीटरी टन था ।

वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान एलपीजी तथा अन्य तरल हाइड्रोकार्बनों की बिक्री 1.405 मिलियन मीटरी टन थी जबकि गत वर्ष 1.343 मिलियन मीटरी टन थी । प्रोपेन की बिक्री गत वर्ष के 155292 मीटरी टन की तुलना में इस वर्ष 153153 मीटरी टन हुई । पेंटेन का उत्पादन गत वर्ष के 73505 मीटरी टन की तुलना में वर्ष 2008-09 में 58528 मीटरी टन हुआ ।

एलपीजी पाइपलाइन

वर्ष 2008-09 में पाइपलाइनों के माध्यम से एलपीजी संचरण 2.744 मिलियन मीटरी टन रहा, जो वर्ष 2007-08 के दौरान 2.754 मिलियन मीटरी टन था ।

पेट्रोकैमिकल

वर्ष 2008-09 के दौरान पॉलीमर के उत्पादन में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए कुल 4.20 लाख मीटरी टन का उत्पादन हुआ । गत वर्ष यह उत्पादन 3.86 लाख मीटरी टन था । पॉलीमर बिक्री में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4.23 लाख मीटरी टन बिक्री हुई जो गत वित्तीय वर्ष में 3.91 लाख मीटरी टन थी ।

भावी परिदृश्य

गेल तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच निष्पादन लक्ष्यों के लिए वित्त वर्ष 2009-10 के लिए हस्ताक्षरित वार्षिक समझौता ज्ञापन के अनुसार गेल ने घरेलू स्रोतों तथा एलएनजी मार्ग से 94.8 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस के संचरण का लक्ष्य रखा है । वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान निष्पादन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए कंपनी ने गैस विपणन का लगभग 83.2 एमएमएससीएमडी का लक्ष्य भी रखा है । समझौता ज्ञापन में 400 टीएमटी पॉलीमर (एचडीपीई तथा एलएलडीपीई) तथा 1260 टीएमटी तरल हाइड्रोकार्बन का “उत्कृष्ट” उत्पादन लक्ष्य भी शामिल है ।

केपेक्स योजना

वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान गेल की योजना 5558 करोड़ रुपए निवेश करने की है । इनमें से 4020 करोड़ रुपए पाइपलाइन परियोजनाओं पर, 650 करोड़ रुपए अन्वेषण और उत्पादन परियोजनाओं पर, 285 करोड़ रुपए पेट्रोकैमिकल पर, 130 करोड़ रुपए व्यापार विकास पर , शहर गैस परियोजनाओं में इक्विटी निवेश के लिए 250 करोड़ रुपए, 200 करोड़ रुपए आरजीपीपीएल तथा शेष दूरसंचार पर निवेश किए जाएंगे ।

वित्तीय वर्ष 2008-09 की प्रमुख गतिविधियां

परियोजनाएं

गेल ने वर्ष 2008-09 में पुणे शहर गैस एवं उसर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को जोड़ने का कार्य संपन्न कर लिया है । इसके अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुड़गांव तथा फरीदाबाद में सिटी गेट स्टेशनों को पाइप्ड प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की व्यवस्था के लिए संपर्क उपलब्ध करवा दिया गया है ।

ओडुरु (आन्ध्र प्रदेश), म्हास्कल (महाराष्ट्र) तथा अंकोट (गुजरात) में पूर्व-पश्चिम पाइपलाइन का संपर्क उपलब्ध करवाया गया है ताकि रिलायन्स के केजी बेसिन स्थित डी-6 ब्लॉक से पाइपलाइन नेटवर्क के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए गैस का प्रवाह प्रारंभ किया जा सके ।

गेल ने जामनगर-लोनी एलपीजी पाइपलाइन प्रणाली में एलपीजी प्राप्त करने के लिए जामनगर स्थित एस्सार ऑयल को एलपीजी पाइपलाइन संपर्क उपलब्ध करवाया है । आईओसीएल बाटलिंग संयंत्र, विजयपुर तथा गंधार एवं बीपीसीएल बाटलिंग प्लांट, जयपुर को एलपीजी पाइपलाइन संपर्क उपलब्ध करवाया है ।

पेट्रोकेमिकल्स

गेल तथा इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने बरौनी में डाऊनस्ट्रीम डेरिएटिव्स सहित क्रैकर कॉम्प्लेक्स की स्थापना की संभावना तलाशने के लिए पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ।

गेल, परियोजना के लिए फीडस्टॉक के रूप में समृद्ध गैस के उपयोग सहित केजी बेसिन फील्ड से प्राकृतिक गैस की उपलब्धता की संभावना का आकलन करेगा तथा इसके केजी बेसिन से परियोजना स्थल तक वितरण का तरीका निर्धारित करेगा । एक बार गठित हो जाने के बाद गेल संयुक्त उद्यम को गैस की आपूर्ति के लिए एक निश्चित करार तैयार करेगा ।

इंडियन ऑयल ऑफ-गैस तथा नाफ्था की न केवल बरौनी रिफाइनरी से बल्कि इंडियन ऑयल की अन्य प्रचालनरत रिफाइनरियों से भी उपलब्धता की संभावना तलाशेगी ताकि इसे उक्त परियोजना में विद्यमान फीडस्टॉक हेतु उपयोग की व्यवस्था भी करेगा । इसके बाद इंडियन ऑयल, संयुक्त उद्यम के गठित होने के पश्चात फीडस्टॉक की आपूर्ति हेतु एक समुचित एवं निश्चित करार विकसित करेगा ।

पाता संयंत्र में छठे गैस क्रैकर फर्नेस का शिलान्यास श्री आर. एस. पांडेय, सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, भारत सरकार ने किया । इस अतिरिक्त फर्नेस पर 97 करोड़ रुपए व्यय होंगे तथा प्रथम चरण में पेट्रोकेमिकल संयंत्र की क्षमता 4,10,000 टीपीए से बढ़कर 5,00,000 टीपीए हो जाएगी ।

शहर गैस वितरण

शहर गैस वितरण (सीजीडी) एवं सीएनजी कारिडोर कारोबार हेतु गेल की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी गेल गैस लिमिटेड ने पीएनजीआरबी द्वारा विभिन्न शहरों हेतु आयोजित बोली दौर में मेरठ, सोनीपत, देवास तथा कोटा हेतु अधिकार अर्जित किए हैं ।

उर्वरक संयंत्रों को गैस की आपूर्ति

गेल ने उर्वरक विदेश लिमिटेड के बरौनी तथा नेशनल फर्टीलाइजर्स लिमिटेड के भटिंडा, पानीपत तथा नांगल संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति हेतु टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं । एनएफएल के पानीपत, भटिंडा एवं नांगल स्थित अपने तीनों संयंत्रों में तेल ईंधन का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग किया जाता है । टर्म शीट के अनुसार गेल बरौनी संयंत्र को 2.11 एमएमएससीएमडी तथा एनएफएल पानीपत, भटिंडा एवं नांगल संयंत्रों को क्रमश: 0.88 एमएमएससीएमडी, 0.87 एमएमएससीएमडी तथा 1.03 एमएमएससीएमडी गैस की आपूर्ति करेगा । बरौनी के मामले में यह अक्तूबर, 2012 - जून, 2013 तथा एनएफएल ईंधन कनवर्जन संयंत्रों के मामले में यह जून, 2012 - दिसंबर, 2012 है । संविदा अवधि आपूर्ति प्रारंभ होने की तारीख से 15 वर्ष हेतु होगी । बरौनी संयंत्र को गैस की आपूर्ति गेल की 1400 कि.मी. (स्पर लाइनों सहित)

लंबी जगदीशपुर-हल्दिया पाइपलाइन (जेएचपीएल) द्वारा की जाएगी । इसको बिछाने पर लगभग 7,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा जबकि भटिंडा, पानीपत तथा नांगल स्थित एनएफएल के संयंत्रों को गैस की आपूर्ति 610 कि.मी. लंबी दादरी-बवाना-नांगल पाइपलाइन द्वारा की जाएगी । इसको बिछाने पर 2500 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा । 32 एमएमएससीएमडी की जगदीशपुर-हल्दिया पाइपलाइन से पाइपलाइन मार्गस्थ अन्य उर्वरक संयंत्रों एवं इस्पात संयंत्रों द्वारा प्रमुख औद्योगिक उपयोग हेतु ऊर्जा गलियारे का शुभारंभ होगा । आरसीएफ कृभको एवं एनएफएल द्वारा सहप्रायोजित उर्वरक विदेश लिमिटेड द्वारा बरौनी इकाई के पुनरोद्धार का कार्य वर्ष 2012-13 में संपन्न हो जाएगा । एनएफलएल संयंत्रों का रुपांतरण वर्ष 2011 में पूर्ण होने की आशा है ।

तमिलनाडु के साथ गैस सहयोग करार

गेल ने तमिलनाडु इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट को-आपरेशन लिमिटेड (टिडको) के साथ गैस सहयोग करार पर हस्ताक्षर किए हैं । गैस सहयोग करार के भाग के रूप में गेल राज्य में औद्योगिक, वाणिज्यिक, परिवहन, रिहायशी क्षेत्र में गैस की संभावित मांग हेतु प्रारंभिक तकनीकी-आर्थिक संभाव्यता अध्ययन करेगा तथा राज्य की मध्यम एवं दीर्घावधि मांग हेतु गैस की मांग की संभावना का आकलन करेगा । गेल, ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क सहित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति हेतु पाइपलाइन ढांचे एवं संबंधित प्रसुविधाओं का भी आकलन करेगा । कंपनी तमिलनाडु को दीर्घकालिक प्रतियोगी आधार पर प्राकृतिक गैस आपूर्ति के विकल्प भी निर्धारित करेगी ।

बाजार आकलन अध्ययन के पश्चात एवं तकनीकी-आर्थिक संभाव्यता के आधार पर गेल राज्य के समग्र औद्योगिक विकास एवं वृद्धि के लिए स्वयं के या अन्य स्रोतों से प्राकृतिक गैस के स्रोत सहित पाइपलाइन ढांचे तथा संबंधित प्रसुविधाओं के विकास कार्य को अपने हाथ में लेगा ।

हिमाचल प्रदेश के साथ गैस सहयोग करार

गेल ने उद्योग विभाग, हिमाचल प्रदेश के साथ दादरी-बवाना-नांगल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन को इस क्षेत्र तक लाने, हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक गैस एवं

संबंधित उत्पादों की संभावित मांग के आकलन तथा प्रस्तावित दादरी-बवाना-नांगल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के हिमाचल प्रदेश तक विस्तार हेतु सहयोग करार पर हस्ताक्षर किए हैं । यह पाइपलाइन स्वच्छ एवं पर्यावरण मित्र ईंधन को क्षेत्र के विभिन्न उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराएगी । इनमें उद्योग, घरेलू तथा परिवहन क्षेत्र शामिल हैं। इस क्षेत्र में गैस की उपलब्धता से अधिक कार्यक्षम ऊर्जा स्रोत के उपयोग के एक नवीन युग का सूत्रपात होगा । इससे प्राकृतिक गैस का उपयोग करने वाले उद्योगों को प्रतियोगी बढ़त हासिल होगी ।

कर्नाटक के साथ गैस सहयोग करार

गेल ने प्राकृतिक गैस वितरण और शहर गैस इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यावरण मित्र ईंधन विशेषकर प्राकृतिक गैस/सीएनजी/पीएनजी/आर-एलएनजी तथा कर्नाटक राज्य में घरेलू, औद्योगिक एवं परिवहन क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त उद्यम के प्रवर्तन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (आईडीडी) कर्नाटक के साथ गैस सहयोग करार पर हस्ताक्षर किए हैं ।

बीपीसीएल के साथ समझौता ज्ञापन

गेल एवं भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड ने प्राकृतिक गैस-ट्रांसमिशन एवं वितरण, एलपीजी पाइपलाइन, शहर गैस परियोजनाएं, अन्वेषण एवं उत्पादन, नाफ्था का उपयोग एवं विपणन, ढांचागत परियोजनाएं तथा तकनीक एवं ज्ञान के आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ।

इफ्फको के साथ समझौता ज्ञापन

गेल तथा इंडियन फार्मर्स फर्टीलाइजर्स को-आपरेटिव लिमिटेड (इफ्फको) ने भारत में प्राकृतिक गैस संबंधी अवसरों में सहयोग, गैस आधारित पॉवर प्लांट तथा केमिकल्स, उर्वरक, संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) एवं पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के साथ-साथ चिन्हित परियोजनाओं में प्राकृतिक गैस/एलएनजी के स्रोत सहित अन्य उद्योगों में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ।

नैतिक समिति का गठन

गेल ने निगमित नियंत्रण की दिशा में नैतिक समिति का गठन कर एक बड़ा कदम उठाया है । इसमें गेल निदेशक मंडल के चार स्वतंत्र निदेशकों तथा सरकार के एक नामिति को शामिल किया गया है । नैतिक समिति कंपनी में मर्यादा के समस्त पहलुओं पर ध्यान देगी तथा औचित्यपूर्वक इसकी प्रक्रियाओं को शामिल करेगी । नैतिक समिति अंतर्मन की देखभाल करने वाले के रूप में कार्य करेगी तथा कंपनी में सर्वश्रेष्ठ निगमित नियंत्रण हेतु निदेशक मंडल के समक्ष अनुशंसा प्रस्तुत करेगी । गेल में निदेशक मंडल की नैतिक समिति गठित करने का प्रयास डॉ. यू. डी. चौबे, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गेल का रहा ।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा कोई भी कार्यात्मक निदेशक इस नैतिक समिति का सदस्य नहीं है । नैतिक समिति की अनुशंसाओं को निदेशक मंडल के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत करेगी । नैतिक समिति के कार्य क्षेत्र में शामिल कुछ पहलु हितों में टकराहट नहीं, स्वच्छ कार्य प्रणाली, निष्ठा एवं दायित्व भावना, निगमित हितों एवं परिसंपत्तियों की रक्षा, विगोपनों में यानि राजस्व, व्यय एवं निवेश आदि में पारदर्शिता, विधिक जटिलताओं, प्रोप्राइटी एवं गोपनीयता शामिल है ।

यह कदम कारोबारी व्यवहार में निगमित नियंत्रण को मजबूती तथा मर्यादा की सख्त संहिता की आवश्यकता को पूरा करेगा ।

बोनस शेयरों का निर्गमन

गेल ने वर्ष 2008-09 में दो धारित शेयरों पर एक बोनस शेयर जारी किए हैं । गेल ने साथ ही वर्ष 2007-08 में 100% लाभांश प्रदान किया है । कंपनी की प्राधिकृत शेयर पूंजी 1,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,000 करोड़ रुपए हो गई है।

रजत जयंती टिकट

गेल के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारत के राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने एक स्मारक डाक टिकट का विमोचन किया ।

कोयले का गैसीकरण

गत वर्ष, गेल ने राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड तथा कोल इंडिया लिमिटेड के साथ मिलकर तलचर में उर्वरक उत्पादन हेतु सिंथेसिस गैस के उत्पादन के लिए कोल गैसीकरण परियोजना स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं । गेल, परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कोल लिंकेज समिति द्वारा कोयले के आबंटन की प्रतीक्षा कर रहा है ।

अन्वेषण एवं उत्पादन

एनईएलपी-VII के बोली दौर में गेल कंसोर्शियम को कावेरी (सीवाई-ओएनएन-2005/1) में एक भू-स्थित ब्लॉक आबंटित किया गया है । गेल इस ब्लॉक का प्रचालक है । खंभात भू-स्थित ब्लॉक (सीबी-ओएनएन-2000/1-अहमदाबाद) से उत्पादन जारी है तथा वर्ष 2008-09 में कच्चे तेल की बिक्री 195,000 बैरल था ।

समस्त तीनों सीबीएम ब्लॉक हेतु पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस (पीईएल) अप्रैल, जून तथा अक्तूबर, 2008 में प्राप्त हो चुके हैं । 3 सीबीएम ब्लॉकों तातापानी-रामकोला (टीआर-सीबीएम-2005/III), मंड, रायगढ़ (एमआर-सीबीएम-2005/III) तथा राज महल (आर एम-2005/ III) में कोर होल प्रगत्यधीन हैं तथा 8,5,4 कोर होल अप्रैल 2009 तक संपन्न किए गए हैं ।

वर्ष 2008-09 में 8 ब्लॉकों यानि-एए-ओएनएन-2002/1 (त्रिपुरा भू-स्थित), सीवाई-ओएनएन-2002/1 (कावेरी भू-स्थित), सीबी-ओएनएन-2000/1 (खंभात भू-स्थित-अहमदाबाद), सीबी-ओएनएन-2003/2 (खंभात-भू-स्थित-अंकलेश्वर), ब्लॉक 56 ओमान, ए-1 तथा ए-3 म्यांमार, एमएन-ओएनएन-2000/1 में कूप छेदन किया गया है तथा अवधि में ए-1 ब्लॉक यानि सीबी-ओएनएन-2003/2 (खंभात भू-स्थित-अंकलेश्वर) में खोज हुई है ।